Paper - V

MT

Seat No. ☐☐☐☐☐☐☐

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - V

Time : 3 Hours **(Pages 09)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (8)

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इसे परमात्मा ने ऐश्वर्य दिया है -

(2) राजकुमार इसके पीछे चला -

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) सिर्फ इन पर निर्भर नहीं होती तृप्ति -

(2) इनकी आवश्यकता नहीं होती है निद्रा को -

संन्यासी ने कहा, - ''यहाँ ऐसी कड़ी धूप और आँधी में खड़े तुम कब तक उनकी राह देखोगे ? मेरी कुटी में चलकर जरा विश्राम कर लो । तुम्हें परमात्मा ने ऐश्वर्य दिया है, कुछ देर के लिए संन्यासाश्रम का रंग भी देखो, वनस्पतियों और नदी के शीतल जल का स्वाद लो ।'' यह कहकर संन्यासी ने उस मृग के रक्तमय मृत शरीर को ऐसी सुगमता से उठाकर कंधे पर धर लिया, मानो वह एक घास का गट्ठर था, और राजकुमार से कहा, ''मैं तो प्राय: कगार से ही नीचे उतर जाया करता हूँ, किंतु तुम्हारा घोड़ा संभव है, न उतर सके। अतएव एक दिन की राह छोड़कर छह मास की राह चलेंगे। घाट यहाँ से थोड़ी ही दूर है और वहीं मेरी कुटी है ।'' राजकुमार संन्यासी के पीछे चला । उसे संन्यासी के शारीरिक बल पर अचंभा हो रहा था । आधे घंटे तक दोनों चुपचाप चलते रहे । इसके बाद ढालू भूमि मिलनी शुरू हुई और थोड़ी देर में घाट आ पहुँचा । वहीं कदंबकुंज की घनी छाया में जहाँ सर्वदा मृगों की सभा सुशोभित रहती, नदी की तरंगों का मधुर स्वर सर्वदा सुनाई दिया करता है, जहाँ हरियाली

पर मयूर थिरकता, कपोतादि पक्षी मस्त होकर झूमते, लता-द्रुमादि से सुशोभित संन्यासी की एक छोटी-सी कुटी थी । संन्यासी की कुटी हरे-भरे वृक्षों के नीचे सरलता और संतोष का चित्र बना रही थी । राजकुमार की अवस्था वहाँ पहुँचते ही बदल गई थी । यहाँ की शीतल वायु का प्रभाव उसपर ऐसा पड़ा जैसा मुरझाते हुए वृक्षों पर वर्षा का । उसे आज विदित हुआ कि तृप्ति कुछ स्वादिष्ट व्यंजनों ही पर निर्भर नहीं है और न निद्रा सुनहरे तकियों की ही आवश्यकता रखती है ।

2) **समझकर लिखिए ।** **2**

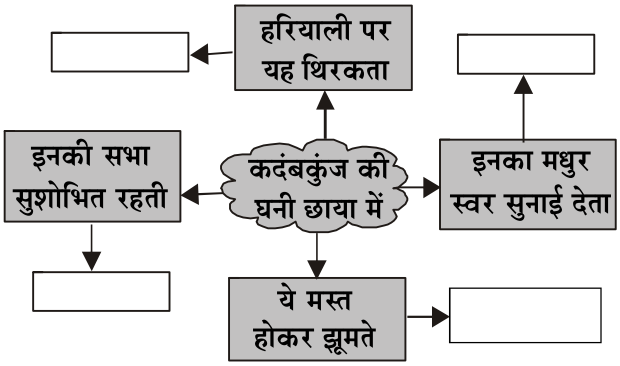
हरियाली पर यह थिरकता
इनकी सभा सुशोभित रहती
कदंबकुंज की घनी छाया में
इनका मधुर स्वर सुनाई देता
ये मस्त होकर झूमते

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद से ढूढ़ कर लिखिए।** **1**

(1) छाया × (2) बेस्वाद ×

ii) **परिच्छेद में आई दो भाववाचक संज्ञाएँ** **1**

(1) ------------ (2) ------------

4) **आपके विचार से किसका जीवन अधिक सुंदर था - राजकुमार का या संन्यासी का?** **2**

प्र.1. **(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(8)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

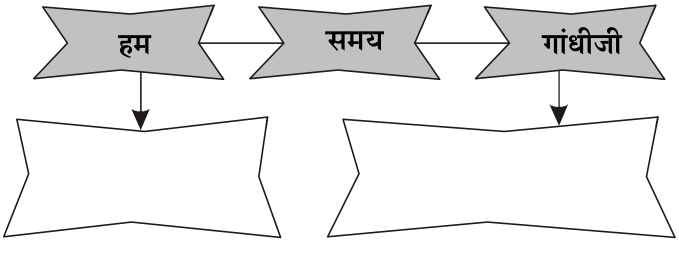

ii) **परिच्छेद में प्रयुक्त उंगलियों के नाम -** **1**

(1) ---------- (2) -----------

बापू ने अपने समय पर स्नान किया। हम समय के साथ खेल कर सकते थे, पर बापू तो समय के साथ दगाबाजी नहीं कर सकते थे। समय के साथ जो उन्होंने वायदा किया था, उसको उन्होंने पूरा किया। उनका हाथ जल गया था। शाम को हमने देखा उनके अँगूठों और तर्जनी पर किसी सफेद किस्म की दवा लगी थी। समय की पाबंदी तो बहुतों ने सिखलाई, पर यह सबक अपना हाथ जलाकर केवल बापू ने सिखाया और ऐसे सिखलाया कि जैसे अपना संदेश हृदय पर दाग दिया। मेरे और साथियों के ऊपर उसका क्या असर हुआ, मैं नहीं जानता पर मुझे उस दिन से प्रमाद नहीं व्यापा।

तब से मोहि न व्यापी माया ।

जब कभी ऐसा अवसर आया है कि किसी निश्चित समय पर कोई काम करना या पूरा करना है तो किसी बात या बहाने को बीच में लाकर उसे टालने या उसमें देरी करने को मेरा मन गवारा नहीं कर पाया। मुझे बापू का जला हाथ याद आता है और उनके शब्द मेरे कानों में गूँजने लगते हैं ।

''जो काम जिस वक्त करना है, करना, न करना वक्त के साथ दगाबाजी है ।''

2) i) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) लेखक के हृदय पर बापूजी के सबक का गहरा असर हुआ।

(2) हाथ जलने के कारण बापू समय पर काम नहीं कर पाए।

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) दगाबाजी (2) बापू

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी परिच्छेद में से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) संध्या (2) सीख

ii) **विलोम शब्द लिखिए ।** **1**

(1) निश्चित × (2) देरी ×

4) **'समय की नियमितता' विषय पर अपने विचार लिखिए ।** **2**

प्र.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(4)**

1) **उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए ।** **1**

i) गांधी जी के अनुसार खराब हस्तलिपि .... निशानी है ।
(अपर्याप्त शिक्षा की, अनावश्यक शिक्षा की, अधूरी शिक्षा की)

ii) गांधी जी का विश्वास है कि सुंदर लिखावट .... ।
(सभ्यता का आवश्यक अंग है, संस्कृति का आवश्यक अंग है, विद्या का आवश्यक अंग है ।)

2) उचित विधान द्वारा वाक्य पूर्ण कीजिए । **1**

(1) पढ़ाई में सुंदर अक्षर जरूरी नहीं, इस विचार को गांधी जी ....

(2) वकील बनकर गाँधी जी ....

पढ़ाई में सुंदर लिखावट की जरूरत नहीं, यह कुबुद्धि न जाने मेरे मन में कहाँ से आ गई थी, जो ठेठ विलायत जाने तक बनी रही । फिर भी जब मैं अफ्रीका गया तब वकीलों और वहाँ के नवयुवकों के मोती के दानों की तरह अक्षर देखकर बहुत लजाया और पछताया । मेरा यह अनुभव हो गया है कि हस्तलिपि का खराब होना अधूरी शिक्षा की निशानी है । मैंने अपनी लिखावट बाद में सुधारने की बहुत कोशिश की, लेकिन कहीं पक्के घड़े पर मिट्टी चढ़ सकती है ? जिस बात की मैंने अवहेलना की थी, उसे मैं आजतक नहीं सुधार सका । अत: सभी नवयुवतियों को जान लेना चाहिए कि अच्छी लिखावट विद्या का आवश्यक अंग है । मैं तो यह राय देना चाहता हूँ कि बालकों को लेखन - कला सीखनी चाहिए । यदि वे सुंदर अक्षर लिखने की आदत डालेंगे तो उनके अक्षर छापे की तरह भी हो सकते हैं ।

गांधीजी

3) सुंदर लिखावट का महत्त्व के बारे में 6 - 8 वाक्य में अपने विचार लिखिए । **2**

विभाग 2 - पद्य

16 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

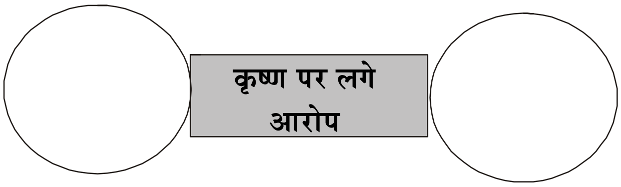

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

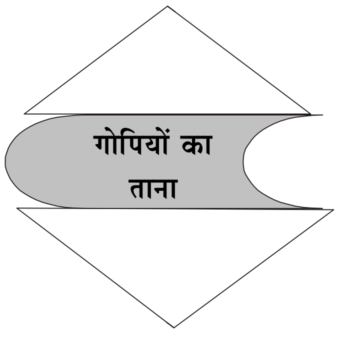

तेरो लाल मेरो माखन खायो।
दुपहर दिवस जानि घर सूनो ढूंढ़ि ढढ़ोरि आप ही आयो।।
खोल किवार सूने मंदिर में दूध दही सब सखन खवायो।
सींके काढ़ि खाट चढ़ि मोहन कछु खायो कछु लै ढरकायो।
दिन प्रति हानि होत गोरस की यह ढोटा कौने ढंग जायो।
'सूरदास' कहती ब्रजनारी पूत अनोखो जायो।।

2) i) पद में आए हुए खाद्य पदार्थों के नाम लिखिए। 1

ii) पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए। 1

3) i) मानक हिंदी भाषानुसार कविता में प्रयुक्त क्रियाओं का अर्थ लिखिए। 1

(1) खवायो (2) जायो

ii) कविता में लय और संगीत निर्माण करनेवाले शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए। 1

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए। **2**

"दिन प्रति हानि होत गोरस की
यह ढोटा कौने ढंग जायो।"

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

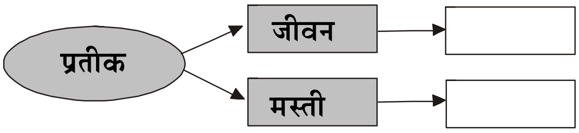

ii) जीवन के दो किनारों के नाम लिखिए। 1

यह जीवन क्या है ? निर्झर है, मस्ती ही इसका पानी है।
सुख-दुख के दोनों तीरों से, चल रहा राह मनमानी है।
कब फूटा गिरि के अंतर में, किस अंचल से उतरा नीचे ?
किस घाटी से बहकर आया, समतल में अपने को खींचे ?

2) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) जीवन और निर्झर में यह है समानता -
(2) झरना घाटी से बहकर यहाँ आया -

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

	यहाँ से फूटा	**झरना**	**यहाँ से नीचे उतरा**	

3) i) **कविता में लय और संगीत निर्माण करनेवाले शब्दों की जोड़ियाँ लिखिए।** **1**

ii) **निम्न शब्दों के लिंग बताइए ।** **1**

(1) अंचल (2) गिरि

4) **निम्नलिखित पठित पद्‍यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''यह जीवन क्या है ? निर्झर है, मस्ती ही इसका पानी है।
सुख–दुख के दोनों तीरों से, चल रहा राह मनमानी है।''

विभाग 3 - पूरक पठन

04 अंक

प्र.3. परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

परिच्छेद के आधार पर माली का वर्णन कीजिए।

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) सियारों की संगीत-सभा से आप समझते हैं कि

(2) लेखिका का रक्तचाप बढ़ने का कारण लिखिए।

अपनी दिव्य वाणी की मिठास घोल वह लंबी–लंबी डगें रखता, अंधेरे में खो गया तो मुझे लगा, हो न हो, वह सीधे परलोक से चला आ रहा यमालय का ही माली है। वह स्याह चेहरा, टेढ़ी मुस्कान, खड़े होने की तिर्यक भंगिमा और वह स्वरभंग करती विचित्र हँसी ! कुछ देर तो मैं भय से जड़ बनी बैठी ही रही। कहाँ फँसा दिया गंगा बाबू ने ? रात को ही किसी अरक्षित छिद्र से रेंगे आए करैत ने डँस लिया, तो मटके तक भी नहीं पहुँच पाऊँगी। किसी तरह खिड़की–दरवाजे बंद किए और रात भर सो नहीं पाई। आधी रात से सियारों की जो संगीत सभा आरंभ हुई, शेष होने का नाम ही नहीं ! एक दल की 'हुआ...हुआ' समाप्त होती तो दूसरा दल जवाबी कीर्तन में डट जाता, उसपर दो–तीन उल्लू बारी–बारी से मेरा रक्तचाप बढ़ाते रहे। 'राम–राम' कर रात कटी, सुबह होते ही टेढ़ा माली फिर वही टेढ़ी मुस्कान लिए हाजिर, 'हाथ–मुँह धो लिया जाए', गंगा बाबू आपको बुलाइन हैं।''

मैं उसके साथ कई मेड़ें पार कर पहुँची तो गंगा बाबू हँसते–हँसते बढ़ आए। ''आइए, आइए शिवानी जी कोई कष्ट तो नहीं हुआ, नींद आई ना ?''

मैं उनसे क्या कहती ? उस समय तो मैं चुप रही, फिर मैंने उनसे दबे स्वर में मेरे कहीं और रहने की व्यवस्था करने का आग्रह किया, ''आपने कल ही कह दिया होता, आप हमारी विद्या बहन के साथ रहेंगी।''

वे स्वयं भी उन्हीं के अतिथि थे। फिर उन चार दिनों में उन्होंने जिस स्नेह से मेरी देखभाल की, उसे मैं कभी भूल नहीं सकती। मैं चलने लगी तो उन्होंने मेरे साथ चिवड़ा, घर का घी, और न जाने कितनी सौगातें बाँध दीं, जैसे पुत्री को विदा कर रहे हों।

2) **'प्राकृतिक-स्थलों पर आपने पंछियों की चहचहाट सुनी होगी।' उस वक्त आपको जो अनुभूति हुई थी, उसे शब्द-बद्ध कीजिए।** **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½

संस्मरण

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** ½

पंछी आसमान में उड़ रहे थे ।

2) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** **1**

क्रोध से उसकी नेत्र लाल हो गई ।

3) **निम्नलिखित सहायक क्रियाओं का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** ½

i) जाना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½

आप मेरी बात समझ सकी ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक**
गुथना	----	----

5) i) **अव्ययों का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

अच्छा

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**

इन लोगों के बीच हूँ मैं ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**

वह हिमालय को खोज रहा है ।

सामान्य वर्तमानकाल -

सामान्य भविष्यकाल -

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**

मुँह फेरना ।

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(मोल लेना, कानों में गूँजना, रटते रहना)

प्रदर्शनी की वस्तुएँ अच्छे दाम देकर खरीद ली गई ।

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है : **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **5**

सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय 24 घंटे ऊँची आवाज में रेकार्ड बजने के कारण कोल्हापुर रहने वाले करन / करिश्मा वेद के अध्ययन में बाधा पड़ती है । इस संदर्भ में वह शहर कोतवाल, शहर विभाग, कोल्हापुर को शिकायत पत्र लिखता/ लिखती है ।

अथवा

गुड़गाँव निवासी दिवाकर / दिव्या कदम की आर्थिक दशा दयनीय है। अत: वह अपना मासिक शुल्क माफ करवाने हेतु अपने प्राधानाध्यापक, शास्त्री विद्यालय, शास्त्री नगर, गुड़गाँव के नाम प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । **5**

चंचल बच्चा - पढ़ाई में दिलचस्पी न लेना - परीक्षा में अनुत्तीर्ण होना - आत्महत्या करने का विचार मन में आना- जंगल में जाना - बंदर के बच्चे को पेड़ पर चढ़ते हुए देखना, गिरना फिर चढ़ना, फिर गिरना - अंत में पेड़ पर चढ़ना - पढ़ाई करना सफल होना

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके । **5**

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है । शिष्टता का समाज पर प्रभाव पड़ता है, किंतु विषभरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है । यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाषण से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता । मधुर भाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है । मधुर वचन ही विश्वास उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं । कटु भाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं । सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान - प्रदान आवश्यक है और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता । भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं । शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है ।

प्र.6. प्रसंग लेखन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

1) उस दिन मैं मेरे मित्रों के साथ घुमने गया था । अचानक एक वृद्ध व्यक्ति चक्कर खाकर गिर पड़ा । -----

2) विज्ञापन लेखन । (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए ।

आयोजित व्याख्यानमाला -

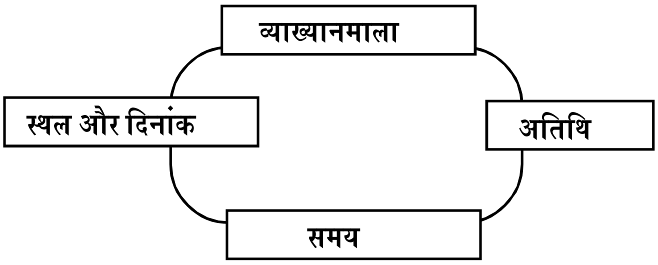

3) स्वमत : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

छुट्टियों में अपने शहर का ऐतिहासिक स्थल देखने गया था । वहाँ की अस्वच्छता और दुरावस्था देखकर मेरे मन में विचार आए ।

Best Of Luck